



# 中国历史故事全集

(正史部分)

罗琳 文杰 主编

中国国际广播出版社出版

(京)新登字 096 号

责任编辑 关 心

封面设计 李传琪

中国历史故事全集(正史部分)

罗琳 文杰 主编

中国国际广播出版社出版发行

北京 714 印刷厂印刷

新华书店经销

开本: 787×1092 1/32 印张: 48

1994 年 1 月第一版 1994 年 1 月第一次印刷

印数: 0001—4000 字数: 1036 千字

ISBN 7—5078—0541—7/K·8

定价

定价: 36 元

## 序

中华民族上起盘古开天，下迄晚清末年，在这悠长的历史里，“笔正言顺”的二十五史中的正史故事；“怪诞不经”的野史笔记中的小说传奇故事和浪漫飘渺的远古神话中的民间传说故事，真是多不胜数。这些流传下来的故事大多是历代“落泊”文人自己采集撰写的，他们被誉为“稗官”，而“故事集”多被称之为“小说”。在《山海经》、《淮南子》、《西京杂记》、《搜神记》、《世说新语》、《朝野僉载》、《隋唐嘉话》、《国史补》、《酉阳杂俎》、《北梦琐言》、《聊斋志异》、《阅微草堂笔记》等等中就记载了许多千奇百怪的故事。其内容亦多被贬之为“街谈巷语、道听途说”、神仙鬼怪。但近好些年来，文人自己采集撰写的故事很少很少了，远不如先前“发达”，大概是“落泊”的少了，或许是祖先们把世上的故事写干净了！倒是从先人们的故事集里或是其它典籍中摘抄出故事来，重新炒一炒，“玩”出一个“新”故事集来的事业十分“火红”。这套《中国历史故事全集》就是这类“炒货”中的一种。

《中国历史故事全集》分为三个部分：正史部分，野史笔记部分，神话传说部分。每一部分独立成书，分册出版。我们努力做到：所辑辑的故事既有人们熟悉的各类故事，又注意从人们忽略的历史典籍中精选出确有新意的故事。这些故事，有的以事件为中心，把历史浓缩在故事之中；有的以人物为中心，用对人物的刻画来展现历史；有的用几个人物来讲述一个故事；有的是一个历史人物分别在几个不同的故

事中出现，勾勒出历史的不同侧面。

记得十多年前，一位老者引了一句鲁迅先生的名言来教训一群大言不惭、挥斥方遒的后生：“我是不相信文艺的旋转乾坤的力量的”。旋转乾坤？“道听途说”的只言片语的确是微不足道！从古至今却有一撮国人一代接一代，孜孜不倦地写故事、编故事、“炒”故事，无非是些懦弱小民企图将人们美好的情感和善良的愿望寄于这些惩恶扬善、醒世济国的故事中，祈祷滔滔国人不至于一再蠢得重蹈“秦人不暇自哀，而后人哀之；后人哀之而不鉴之，亦使后人而复哀后人”的悲剧。

一天，我翻开鲁迅先生的《三闲集·文艺与革命》才知道那名言还有一半是：“……但倘有人要在别方面应用他，我以为也可以。譬如‘宣传’就是。”我敬佩那老者竟“修炼”到这般“无为”，而又如此坦然“布道”；他的断章取意的确也差点使我茫茫终生！

罗 琳

1992年6月于京城九爷府

## 凡 例

一、本册书共选收二十五史（二十四史和《清史稿》）中的故事一千四百八十一一个。

二、一些故事在过去曾出现过不同的名字，我们选用一个较为流行的名字；一些新选的故事我们取一个较通俗的名字。

三、本书目录和正文均按故事名字的笔画笔顺编排。

四、每个故事均由原文和译文两个部分组成。

# 《中国历史故事全集》

主 编 罗 琳 文 杰

副主编 姜静楠 许桂敏 杨 萌 王英雪

编 委 丁晓平 文 杰 王英雪 许桂敏

杨 萌 罗 琳 洪 昕 姜静楠

赵小鸥 赵 燕 雍德颜 澎 高

## 撰稿人员

|     |     |     |     |     |     |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| 丁晓平 | 文 杰 | 王玉茹 | 王廷琦 | 王玮琦 | 王英雪 |
| 车子雷 | 冯恩大 | 冯哲辉 | 石万鹏 | 石子凌 | 甘 露 |
| 白云嘉 | 安国庆 | 江家民 | 池 英 | 许桂敏 | 许 霖 |
| 匡景强 | 孙 冬 | 孙 琦 | 朱文川 | 朱有明 | 朱爱军 |
| 宋 倩 | 宋 雄 | 李日新 | 李 旭 | 李 康 | 李 静 |
| 成 功 | 张军锋 | 张志沂 | 张翔云 | 陈 贞 | 陈克宽 |
| 陈鸣放 | 陈朝豹 | 陈德显 | 谷 杰 | 单幼昌 | 林怀文 |
| 林和思 | 林倩倩 | 杨 佑 | 杨宗泽 | 杨 萌 | 武明辉 |
| 尚 林 | 罗 吉 | 罗 琳 | 周立勋 | 周淑敏 | 洪 昕 |
| 洪景俪 | 姜小园 | 姜静楠 | 皇甫秋 | 赵小鸥 | 赵林云 |
| 赵建军 | 赵 燕 | 贺 悦 | 斐小文 | 斐小非 | 程 敏 |
| 鲁北京 | 傅 茜 | 雍 信 | 雍德颜 | 碧 绿 | 澎卫东 |
| 澎 红 | 澎 高 | 潘素莲 | 谭培英 | 蕴馨丽 | 熹 子 |
| 樵 夫 | 霍 宇 | 薄世垣 | 霜 双 |     |     |

责 任 编 辑 关 心

责 任 校 对 张 斌

版 式 设 计 刘 艳

# 笔画笔顺索引

## 一画

|               |   |
|---------------|---|
| 一与一勇者得前 ..... | 1 |
| 一代天骄 .....    | 2 |
| 一代贤主 .....    | 4 |
| 一时将去 .....    | 5 |
| 一鸣惊人 .....    | 6 |
| 一府大震 .....    | 7 |

## 二画

### (一)

|                |    |
|----------------|----|
| 二妇斗贼 .....     | 9  |
| 二逸 .....       | 10 |
| 十二为上卿 .....    | 10 |
| 十四岁为教授 .....   | 13 |
| 丁大全夜半陷良臣 ..... | 14 |
| 丁日昌(一) .....   | 15 |
| 丁日昌(二) .....   | 16 |
| 丁字不曲 .....     | 17 |
| 七纵七禽 .....     | 17 |
| 厂卫之毒极矣 .....   | 18 |
| 刁包救民 .....     | 20 |
| 刀下救人 .....     | 21 |
| 刀鞘得贼 .....     | 22 |
| 力杀安得海 .....    | 23 |

|            |    |
|------------|----|
| 力阻群议 ..... | 24 |
| 力劈巨砖 ..... | 25 |
| 力擒顽敌 ..... | 25 |

### (丨)

|               |    |
|---------------|----|
| 卜式助边 输家之半 ... | 26 |
| 卜者诡计 .....    | 28 |

### (丿)

|              |    |
|--------------|----|
| 儿皇帝 .....    | 29 |
| 几桩小事 .....   | 30 |
| 九字方针 .....   | 31 |
| 九华洞 .....    | 32 |
| 九虎将军 .....   | 33 |
| 人苦不自觉耳 ..... | 34 |
| 人贵始终一节 ..... | 36 |
| 人道之极 .....   | 36 |
| 八岁辨音 .....   | 38 |
| 八虎得势 .....   | 38 |
| 入寺为僧 .....   | 40 |
| 入海求仙 .....   | 42 |

## 三画

### (丶)

|               |    |
|---------------|----|
| 亡秦必楚 .....    | 43 |
| 广召沙门 相助整比 ... | 43 |



|                |    |
|----------------|----|
| 门屏孔雀 .....     | 45 |
| 义犬护尸 .....     | 46 |
| 义可杀不可辱 .....   | 46 |
| 〔一〕            |    |
| 三人破楚 .....     | 47 |
| 三马食一槽 .....    | 48 |
| 三世廷尉 .....     | 49 |
| 三旬九食 .....     | 50 |
| 三复殷勤 .....     | 50 |
| 三事为恨 .....     | 51 |
| 三易其主 .....     | 52 |
| 三者皆人杰 .....    | 53 |
| 三牌楼尸案 .....    | 54 |
| 三箭定天山 .....    | 55 |
| 于朕复何益 .....    | 56 |
| 下狱询囚 .....     | 56 |
| 土木惨败 .....     | 57 |
| 士气可鼓而不可泄 ..... | 58 |
| 士别三日 刮目相待 ...  | 59 |
| 与士卒共患难 .....   | 61 |
| 才章富贍 .....     | 62 |
| 大人清白 .....     | 63 |
| 大为乡党所称 .....   | 64 |
| 大臣不言而小臣言 ..... | 65 |
| 大树将军 .....     | 65 |
| 大禹治水 .....     | 66 |
| 大枷十号 .....     | 67 |

|               |    |
|---------------|----|
| 大破拐子马 .....   | 69 |
| 大将风度 .....    | 74 |
| 大赈饥民 .....    | 75 |
| 大眼不大 .....    | 76 |
| 马儿不死 吾无葬地 ... | 76 |
| 马如龙判案 .....   | 77 |
| 马革还尸 .....    | 78 |
| 马援论公孙述 .....  | 79 |
| 尸虫出户 .....    | 80 |
| 尸居余气 .....    | 81 |
| 子贡先后 孔子名扬     |    |
| .....         | 82 |

|            |    |
|------------|----|
| 子路问津 ..... | 83 |
|------------|----|

# 〔 〕

|             |    |
|-------------|----|
| 上尤自矫饰 ..... | 84 |
| 口蜜腹剑 .....  | 84 |
| 小人有怨 .....  | 86 |

# 〔 〕

|            |    |
|------------|----|
| 千里告变 ..... | 87 |
| 千里退礼 ..... | 88 |
| 女中豪杰 ..... | 88 |
| 女苏武 .....  | 90 |

# 四画

# 〔 、 〕

|              |    |
|--------------|----|
| 斗胆犯上 .....   | 92 |
| 方腊替天行道 ..... | 93 |
| 文天祥义作千古绝唱    |    |

|                |               |     |
|----------------|---------------|-----|
| ..... 94       | 为婢赎父 .....    | 121 |
| 文必西汉 诗必盛唐      | 〔一〕           |     |
| ..... 96       | 王安石颁行新法 ..... | 122 |
| 文正公放赈救灾民 ..... | 王导辅君 .....    | 123 |
| 96             | 王孝祺 .....     | 124 |
| 文治兴焉 .....     | 王若虚终老泰山 ..... | 125 |
| 97             | 王国林打虎 .....   | 125 |
| 文武兼备 .....     | 王侯将相宁有种乎 ...  | 126 |
| 98             | 王莽九庙 劳民伤财     |     |
| 文采风流不当泯没 ..... | .....         | 129 |
| 99             | 王莽屏面 .....    | 131 |
| 文征明不受金 .....   | 王曾平妖 .....    | 132 |
| 100            | 王联送友枢归里 ..... | 133 |
| 文物皆倒折 .....    | 王敬则鞭偷 .....   | 133 |
| 100            | 王皓失马 .....    | 134 |
| 文帝自省 .....     | 专言大猾 .....    | 134 |
| 101            | 开辟言路 .....    | 135 |
| 文帝改错 .....     | 元氏指腹谓袭 .....  | 137 |
| 102            | 元妃李师儿 .....   | 138 |
| 文帝敦朴 为天下先      | 元昌致学 .....    | 139 |
| ..... 105      | 无处下筷 .....    | 139 |
| 文武廉让 .....     | 无如季相 .....    | 140 |
| 106            | 无疚于心 .....    | 142 |
| 文姬归汉 .....     | 无罪不谢 .....    | 142 |
| 107            | 天亡我 非战之罪 ...  | 143 |
| 文鼎为学 .....     | 天下之广 岂可独断     |     |
| 108            | .....         | 146 |
| 心乃无他 .....     |               |     |
| 109            |               |     |
| 火牛阵 .....      |               |     |
| 109            |               |     |
| 火枪 .....       |               |     |
| 113            |               |     |
| 为人廉直 .....     |               |     |
| 114            |               |     |
| 为公 忘家 理政 ...   |               |     |
| 115            |               |     |
| 为民作主 .....     |               |     |
| 116            |               |     |
| 为民请命 .....     |               |     |
| 117            |               |     |
| 为百姓哭 .....     |               |     |
| 118            |               |     |
| 为官清正 .....     |               |     |
| 118            |               |     |
| 为卒吮疽 .....     |               |     |
| 119            |               |     |
| 为将当恤士 .....    |               |     |
| 120            |               |     |

|               |     |               |     |
|---------------|-----|---------------|-----|
| 天下安有父杀子者 …    | 147 | 五噫之歌 .....    | 173 |
| 天下安重相 天下危重    |     | 历阶而登 .....    | 174 |
| 将 .....       | 148 | 不入虎穴 焉得虎子     |     |
| 天下英雄无过曹操 …    | 150 | .....         | 176 |
| 天子不钧马四 将相乘    |     | 不亡何待 .....    | 176 |
| 牛车 .....      | 150 | 不为五斗米折腰 ..... | 177 |
| 天子同民 .....    | 151 | 不计私怨 .....    | 179 |
| 天必鉴之 .....    | 152 | 不从吾志 非吾子孙     |     |
| 天生鲁钝 .....    | 153 | .....         | 179 |
| 天地鬼神不能摇动 …    | 154 | 不反者安坐 .....   | 180 |
| 天时人和 .....    | 154 | 不必换马 .....    | 181 |
| 天其谓我何 .....   | 156 | 不可八矣 .....    | 181 |
| 天知神知我知子知 …    | 157 | 不可重蹈覆辙 .....  | 185 |
| 天怨人悲 .....    | 157 | 不可复对狱吏 .....  | 185 |
| 天聪 .....      | 158 | 不可遽谓之海寇也 …    | 186 |
| 夫妻相见不相识 ..... | 159 | 不打自招 .....    | 187 |
| 夫清妻正 .....    | 160 | 不失尺寸 .....    | 188 |
| 巨毋霸 .....     | 161 | 不失臣子之节 .....  | 188 |
| 艺高人胆大 .....   | 162 | 不用君言至是 .....  | 189 |
| 切骨之戒 .....    | 163 | 不问戎事 .....    | 190 |
| 木匠皇帝 .....    | 164 | 不轨不逊 .....    | 191 |
| 木邦失陷 .....    | 164 | 不当议小过 .....   | 191 |
| 五大臣出访西洋 ..... | 165 | 不违神誓 .....    | 192 |
| 五坊小使 .....    | 166 | 不违朝礼 .....    | 193 |
| 五帝的故事 .....   | 168 | 不忍见汝 .....    | 193 |
| 五拜三稽首 .....   | 171 | 不阿时相 .....    | 194 |
| 五禽之戏 .....    | 172 | 不附权势 .....    | 195 |

|                    |     |                     |     |
|--------------------|-----|---------------------|-----|
| 不纳忠言 .....         | 196 | 尤善钩距 .....          | 221 |
| 不空归也 .....         | 197 | 太祖更舟 .....          | 222 |
| 不法十七事 .....        | 197 | 互不援救之师 .....        | 223 |
| 不怕饮贪泉 .....        | 198 | 车同轨 书同文 .....       | 224 |
| 不易太子 四人之力<br>..... | 200 | 车陵归附 .....          | 224 |
| 不受客鱼 .....         | 204 | 书扇 .....            | 225 |
| 不受馈遗 .....         | 205 | 巴拜归降 .....          | 226 |
| 不咎以往 .....         | 205 | 予马妾 不弃地 .....       | 226 |
| 不迫穷寇 .....         | 206 | 予知黄河北行故道 ...        | 228 |
| 不宜以小眚介意 .....      | 207 | 孔子之戒 .....          | 228 |
| 不奏径行 势炽无忌<br>..... | 208 | 孔子问礼 老子赠言<br>.....  | 229 |
| 不封诸侯 .....         | 210 | 孔子自画像 .....         | 230 |
| 不食周粟 .....         | 211 | 孔子学琴 .....          | 230 |
| 不冒功 .....          | 212 | 孔明丑妻 .....          | 231 |
| 不给面子 .....         | 213 | 劝贼遇害 .....          | 232 |
| 不烦父母官 .....        | 213 | 双兔碑 .....           | 233 |
| 不辱君命 .....         | 214 | 邓石如学书 .....         | 233 |
| 不能见风使舵 .....       | 215 | (一)                 |     |
| 不能增损 .....         | 215 | 日运百砖 .....          | 234 |
| 不谋而合 .....         | 216 | 中外一心 .....          | 235 |
| 不敢力排众议 .....       | 217 | 中英订立《滇缅新约》<br>..... | 235 |
| 不滥用刑律 .....        | 218 | 中俄互市地 .....         | 236 |
| 不禁火 民安作 .....      | 218 | 中俄立边界 .....         | 237 |
| 不避死亡之诛 .....       | 219 | 见发惊惋 .....          | 238 |
| 不避豪强 .....         | 220 | 见慕如此 .....          | 239 |

|                    |     |
|--------------------|-----|
| 少儿说项王 .....        | 240 |
| 少年将军 .....         | 240 |
| 少年得志 .....         | 241 |
| 少府省金 失侯者百<br>..... | 242 |
| 少说闲话 .....         | 243 |
| 毋药而愈 .....         | 243 |
| 以工代赈 .....         | 244 |
| 以为斥卤 .....         | 244 |
| 以牙还牙 .....         | 245 |
| 以巧制千钧 .....        | 246 |
| 以安民为本 .....        | 247 |
| 以言获罪 人多荣之<br>..... | 248 |
| 以社稷安危为己任 ...       | 248 |
| 以身许国 .....         | 249 |
| 以身殉校 .....         | 250 |
| 以身殉职 .....         | 251 |
| 以民为重 .....         | 252 |
| 以画受宠 .....         | 252 |
| 以食为首 .....         | 253 |
| 以淳让汲引为务 .....      | 253 |
| 以祸见追 .....         | 254 |
| 以箸除害 .....         | 256 |
| 〔J〕 、              |     |
| 从史鱼死 .....         | 257 |
| 从令纵敌非良将 .....      | 258 |

|                       |     |
|-----------------------|-----|
| 从伤而伐 一举双实<br>.....    | 259 |
| 从屈平之遗则 .....          | 260 |
| 从善如流 .....            | 261 |
| 父子同婢 .....            | 262 |
| 父母官 .....             | 264 |
| 父母官之母 .....           | 265 |
| 父教服之终身 .....          | 266 |
| 毛遂自荐 .....            | 267 |
| 壬寅宫变 .....            | 270 |
| 手好不要钱 .....           | 271 |
| 长巧次成少不及 .....         | 272 |
| 长幼之序 .....            | 273 |
| 长海卖衣 .....            | 273 |
| 乌攫其肉 .....            | 274 |
| 勿疑三公 .....            | 275 |
| 风流气节 .....            | 275 |
| 仁义之师 .....            | 276 |
| 仁义之举 .....            | 277 |
| 仁义与权势 芒刃与斤<br>斧 ..... | 278 |
| 仁至义尽 .....            | 278 |
| 仁宗免税 .....            | 279 |
| 仆御之妻 .....            | 280 |
| 反间计 .....             | 281 |
| 反间计 .....             | 284 |
| 反哺 .....              | 285 |

|                    |     |
|--------------------|-----|
| 反唇相讥 .....         | 285 |
| 分尸王莽 .....         | 286 |
| 分沟赠地 .....         | 288 |
| 公私窘急 皆不聊生<br>..... | 289 |
| 今知为皇帝之贵 .....      | 290 |
| 仓慈治敦煌 .....        | 293 |
| 介山 .....           | 295 |
| 允卖私盐 .....         | 295 |

## 五画

### (、)

|                    |     |
|--------------------|-----|
| 宁与忠臣同死 .....       | 298 |
| 宁死不助洋贼 .....       | 298 |
| 宁远大捷 .....         | 299 |
| 宁畜盗臣 .....         | 300 |
| 头可断 志不可夺 ...       | 301 |
| 汉王弃 夏侯收 .....      | 302 |
| 汉匈结亲 .....         | 303 |
| 立功受罚 .....         | 304 |
| 立法为惩恶 .....        | 305 |
| 立武威众 诛恶禁邪<br>..... | 306 |
| 市书万卷 .....         | 308 |
| 冯子材 .....          | 309 |
| 冯緄疑诏 .....         | 310 |
| 冯瓚乱更驱盗贼 .....      | 311 |

|                    |     |
|--------------------|-----|
| 冯欢收债 .....         | 312 |
| 必为人所教 .....        | 314 |
| 必得唐公 .....         | 315 |
| 兰陵公主 .....         | 315 |
| (一)                |     |
| 平定讷默库之乱 .....      | 317 |
| 平定哗变 .....         | 318 |
| 平叛固原 .....         | 318 |
| 平霍邑 .....          | 319 |
| 玉工免死 .....         | 321 |
| 玉树后庭花 .....        | 321 |
| 击皮断案 .....         | 324 |
| 击鼓擒盗 .....         | 325 |
| 击瓮救友 .....         | 326 |
| 巧入咸阳 .....         | 326 |
| 巧言善辩 .....         | 328 |
| 巧遇知音 .....         | 329 |
| 巧解民难 .....         | 329 |
| 功有五品 .....         | 330 |
| 正义凛然 .....         | 331 |
| 正气凌人 .....         | 332 |
| 可比桓灵 .....         | 333 |
| 可以为孙 不可为臣<br>..... | 333 |
| 甘服欺君之罪 .....       | 334 |
| 甘棠之思 .....         | 335 |
| 古无门匠墓 .....        | 336 |

|          |     |           |     |
|----------|-----|-----------|-----|
| 古代科学家祖冲之 | 336 | 叩床问疾      | 361 |
| 古有指南车    | 338 | 号曰郑陂      | 362 |
| 古法不可今用   | 339 | 兄弟分家      | 364 |
| 东方朔“自责”  | 340 | 兄弟同死      | 365 |
| 东床快婿     | 341 | 叭先捧夫妻英勇   | 366 |
| 本草纲目     | 342 | 四川出兵援藏    | 367 |
| 厉王弭谤     | 343 | 四面楚歌      | 368 |
| 布衣兄弟     | 344 | 史才三长      | 368 |
| 布帆无恙     | 345 | 归命辕门      | 370 |
| 布袍脱粟     | 346 | 归隐著书      | 373 |
| 石奋教子     | 347 | 帅印易得      | 374 |
| 石建谒亲     | 348 | 出其不意      | 375 |
| 石珍媚贼     | 348 | 出家免役      | 376 |
| 皮币荐璧     | 349 | 出饷以示诸子    | 377 |
| 民爱廉官     | 350 | 母子免难      | 378 |
| 司马懿戒子弟   | 351 |           |     |
| 司天言岂足信   | 352 | 〔卜〕       |     |
| 圣人适周     | 353 | 生子当如孙仲谋   | 379 |
| 圣上总是有理   | 353 | 生我父母 知我鲍子 |     |
| 对症下药     | 355 |           | 380 |
|          |     | 生性耿直      | 381 |
| 〔卜〕      |     | 矢尽夺枪      | 381 |
| 田文诤父     | 355 | 失大臣礼      | 382 |
| 田丰之死     | 356 | 失陷爱瑋城     | 383 |
| 田舍公      | 358 | 失踪之谜      | 384 |
| 申包胥哭秦    | 359 | 用人所长      | 385 |
| 申明正义释王策  | 360 | 鸟尽弓藏      | 386 |
| 叶燮好游     | 361 | 包公复出      | 387 |

|               |     |               |     |
|---------------|-----|---------------|-----|
| 包拯立朝刚毅 .....  | 387 | 安知刺史非臣作 ..... | 412 |
| 册封新王 .....    | 389 | 安能亏法 .....    | 413 |
| 尔朱荣性甚严暴 ..... | 389 | 安能马上治之 .....  | 414 |
| 外国女不得进中国 ...  | 390 | 安置李母 .....    | 416 |
| 代田法 .....     | 391 | 安寝破敌 .....    | 418 |
| 优哉游哉 .....    | 393 | 汗位之争 .....    | 419 |
| 白马乌牛誓 .....   | 394 | 污赭收缚 .....    | 421 |
| 白云寄孝 .....    | 395 | 江声孝父母 .....   | 422 |
| 白头翁 .....     | 395 | 江郎才尽 .....    | 422 |
| 白金三品 .....    | 396 | 江神清河公 .....   | 423 |
| 白首相保 .....    | 397 | 汤镬岭 .....     | 425 |
| 白鹭鲜半 .....    | 398 | 汝当无谬也 .....   | 426 |
| 乐不思蜀 .....    | 400 | 汝昌督战 .....    | 427 |
| 乐羊子妻 .....    | 401 | 羊祜改容 .....    | 428 |
| 令薄葬 .....     | 402 | 关羽败走麦城 .....  | 428 |
| 发愤自责 .....    | 403 | 兴修水利 .....    | 432 |
| 台湾沦陷 .....    | 403 | 兴毁不同 凶讹相类     |     |
| 幼女救盲父 .....   | 404 | .....         | 433 |

## 六画

(、)

|               |     |               |     |
|---------------|-----|---------------|-----|
| 守金蒲 .....     | 406 | 米芾自成一派 .....  | 434 |
| 守墓悔过 .....    | 408 | 妄言与明断 .....   | 435 |
| 安车征始当显 .....  | 409 | 刘氏安 晁氏危 ..... | 436 |
| 安世拜师 .....    | 410 | 刘沟继父业 .....   | 438 |
| 安抚朱仙镇之乱 ..... | 411 | 刘秀烧文书 .....   | 438 |
| 安定边境 .....    | 411 | 刘秀蓟城脱险 .....  | 439 |
|               |     | 刘秀堕书救昆阳 ..... | 440 |
|               |     | 刘泊之死 .....    | 444 |
|               |     | 刘备托孤 .....    | 446 |



|               |     |                |     |
|---------------|-----|----------------|-----|
| 刘宣之死 .....    | 446 | 扫除天下 .....     | 472 |
| 刘铤疑酒 .....    | 449 | 执法不惜死 .....    | 472 |
| 刘原渌御盗贼 .....  | 449 | 成全美名 .....     | 473 |
| 刘基献计制胜 .....  | 450 | 成孺孝母 .....     | 474 |
| 刘基隐退 .....    | 452 | 列木建信 .....     | 475 |
| 刘锜射技惊天下 ..... | 452 | 死于疾 宁死于敌 ..... | 475 |
| 刘瑾不学无术 .....  | 453 | 死为孱王 .....     | 476 |
| 刘瑾故急贿 .....   | 453 | 死不草诏 .....     | 480 |
| 农用八政 .....    | 454 | 死而地分 .....     | 481 |
| 军事尚权 .....    | 455 | 死而后已 .....     | 482 |
| 讲究卫生 .....    | 456 | 死亦罪盈 .....     | 483 |
| 讷亲督军 .....    | 457 | 死则祸塞 .....     | 484 |
| 设伏擒法帅 .....   | 458 | 死非其罪 .....     | 485 |
| 讽谏葬马 .....    | 459 | 死者不可复生 .....   | 485 |
| 讼者请罢 .....    | 460 | 死葬桐乡 .....     | 486 |
| 论宰相之职 .....   | 461 | 死诸葛吓走活司马 ...   | 487 |
| (一)           |     | 有为出逃 .....     | 488 |
| 迁者吉安 .....    | 462 | 有志不在年高 .....   | 489 |
| 夷陵之战 .....    | 463 | 有奇技术者 .....    | 490 |
| 老子犹龙 .....    | 466 | 有备无患 .....     | 491 |
| 地位不同 .....    | 467 | 达音布之死 .....    | 491 |
| 臣服其胆 .....    | 467 | 夸富于盗 .....     | 492 |
| 臣请不知 .....    | 468 | 夺门之变 .....     | 493 |
| 吏民称冤 .....    | 469 | 夺尸而还 .....     | 494 |
| 西藏平叛 .....    | 470 | 夺桑自创 .....     | 495 |
| 邪无干正 .....    | 470 | 异母兄弟 .....     | 496 |
| 邪不压正 .....    | 471 | 驰以利民 .....     | 497 |